Content

विषय-सूची

प्रतीक नाटक : सामाजिक और राजनैतिक अभिव्यक्ति

प्रथम परिच्छेद

1- प्रतीक नाटकों की व्युत्पत्ति : विभिन्न आचार्यों एवं विद्वानों के मत ।
2- भारतीय एवं पाश्चात्य नाटकों के विकास क्रम में प्रतीक नाटक का स्थान ।
3- प्रतीक का धातुगत, कोषगत अर्थ तथा विभिन्न विद्वानों के मत ।
4- प्रतीक और प्रतीकात्मकता ।
5- काव्य और नाट्यकृतियों की प्रतीक योजना ।
6- नाट्य कृतियों की प्रतीकात्मकता और उनका समायोजन ।

द्वितीय परिच्छेद

प्रतीक नाटक : पृष्ठभूमि एवं परिचय

1- भारतेन्दु युग से पूर्व की नाट्य कृतियाँ ।
2- भारतेन्दु युग के नाटक
   क- संस्कृत के अनुदित नाटक
   ख- अंग्रेजी के अनुदित नाटक
   ग- मौलिक नाटक
3- प्रसाद युग ।
4- प्रसादोत्तर युग और उसके प्रमुख नाटक ।
5- प्रतीक नाटकोंकी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि ।
6- संस्कृति, समाज, इतिहास और राजनीति का अन्तर्सम्बन्ध ।
7- साहित्य सर्जना का मनोवैज्ञानिक पक्ष तथा संस्कृति, समाज और राजनीति से साक्षात्कार का प्रेरित होना ।
8- वर्तमान सामाजिक और राजनैतिक परिदृष्य ।

तृतीय परिच्छेद

प्रतीक नाट्य शिल्प तथा रंगमंचीय प्रतीक विधान

1- बदलती सामाजिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों के साथ बदलते नाट्य शिल्प ।

2- आमुख

3- रंगमंच

4- रंगीय उपकरण

5- रंग संकेत

6- रंगयोजना

7- अभिनय : वर्णित दृश्यों का अभिनय: अभिनय के नये प्रतिमान ।

8- नाट्य रूढ़ियों की प्रतीक पद्धति ।

9- प्रतीक नाटक और उसके विभिन्न तत्व ।

10- नाटकीय तत्वों में व्याप्त प्रतीकात्मक योजना की परिणति

क- कथानक

ख- मंगलाचरण

ग- भरत वाक्यम्

घ- अवस्थाएँ

ङ- पात्र परिकल्पना

11- भाषा शैली, संवाद योजना , देशकाल तथा वातावरण के रूप में वर्तमान राजनीति और नाट्य कृतियों में समाहित समाजशास्त्रीय पक्ष ।

चतुर्थ परिच्छेद

प्रतीक नाटकों में सामाजिक एवं राजनैतिक अभिव्यक्ति के मूलभूत कारण

1- बौद्धिकता

2- स्वअस्तित्व की भावना

3- नारी स्वतंत्रता के प्रति नये दृष्टिकोण

4- स्वच्छन्द यौन चेतना

5- नैतिक एवं धार्मिक मूल्यों में बिखराव

6- परम्परा के प्रति नये स्वर

7- सामाजिक जीवन में विद्रूपताओं की नयी दिशाएँ

पंचम परिच्छेद

प्रतीक नाटक : सामाजिक अभिव्यक्ति

1- प्रतीक नाटक पर सामाजिक जीवन का प्रभाव

2- सामाजिक तथा पारिवारिक तथा सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाली प्रवृत्तियाँ ।

3- क- पाश्चात्य प्रभाव
   ख- बौद्धिकता
   ग- वैज्ञानिकता
   घ- राजनीति
   ङ- अर्थ व्यवस्था
   च- यातायात
   छ- वैयक्तिता
   ज- यौन चेतना तथा टूटती नैतिकता
   झ- मूल्य संक्रमण

षष्ठ परिच्छेद

पारिवारिक विघटन से टूटती सामाजिक स्थिति

1- टूटते संयुक्त परिवार

2- कुंठित लघु परिवार

3- नारी स्वातंत्र्य एवं अस्तित्व की भावना

4- पारिवारिक संबंधों की स्थिति

5- क- पति-पत्नी
   ख- माता-पिता और संतान
   ग- भाई बहन तथा अन्य कौटुम्बिक संबंधों की स्थिति

6- स्वछन्द चेतना तथा टूटते बनते परिवार

7- विवाह तथा अन्य संस्कारों के प्रति व नये चिंतन

8- जातीय व्यवस्था से सामाजिक जीवन पर प्रभाव

9- टूटते सामाजिक रीति-रिवाज

सप्तम परिच्छेद

प्रतीक नाटक : राजनैतिक अभिव्यक्ति

1- पारिवारिक चेतना से प्रभावित राजनैतिक स्थिति

2- सामाजिक चेतना से प्रभावित राजनैतिक स्थिति

3- समकालीन राजनीति का प्रतीक नाटक पर प्रभाव

4- चुनाव प्रणाली एवं दलगत नीति का प्रतीक नाटकों पर प्रभाव

5- आर्थिक विषमता

6- औद्योगीकरण तथा वर्ग चेतना

7- निर्धनता, मंहगाई और बेरोजगारी

अष्टम परिच्छेद

1- प्रतीक नाटकों का पुनर्मूल्यांकन

2- प्रतीक नाटकों का भविष्य

3- उपसंहार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची